A–1158

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

BAHL(N)–101

(प्राचीन एवं भक्ति काव्य)

1st Semester Examination, Session December 2024

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 2×19=38

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. आदिकालीन नाथ साहित्य की विशेषताओं का परिचय दीजिए।
2. विद्यापति को मैथिली कोकिल क्यों कहा जाता है ? स्पष्ट कीजिए।
3. भक्ति आन्दोलन के उदय के कारण बताइए।
4. महाकवि सूरदास हिन्दी भक्ति कविता के सूर्य है। इस सम्बन्ध में अपना दृष्टिकोण प्रतिपादित कीजिए।
5. कबीर के समाज सुधारवादी दृष्टिकोण पर प्रकाश डालिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न 4×8=32

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. कबीर के साहित्य पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
2. तुलसीदास की भक्ति किस प्रकार की है ? स्पष्ट कीजिए।
3. सगुण भक्ति शाखा की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
4. कृष्ण भक्ति शाखा के प्रमुख कवियों का वर्णन कीजिए।
5. चारण काव्य की मुख्य विशेषताएँ बताइए।
6. दोहा एवं चर्या गीतों में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
7. सूरदास की भाषा शैली पर प्रकाश डालिए।
8. सिद्ध काव्य किसे कहते हैं ? स्पष्ट कीजिए।

****